चीनी कंपनियों के साथ नए समझौते से घरेलू उद्योग जगत नाखुश

सुधीर पाल सिंह
नई दिल्ली, 25 अक्टूबर

भारत सरकार ने चीन के साथ हाल ही में बिजली उपकरण सेवा केंद्र की स्थापना के लिए एमओयू करार किया है। जिसके तहत चीन की कंपनियों को भारत में सेवा केंद्र स्थापित करने की अनुमति मिल गई है। सरकार की इस पहल से घरेलू उद्योग नाखुश है। भारतीय उत्पादकों की चिंता चीन के साथ प्रतिस्पर्धा में पिछड़ने को लेकर है क्योंकि घरेलू उत्पादकों के बजाय चीनी उत्पादकों के पास सफलता के लिए ज्यादा अवसर हैं। ऐसी स्थिति में घरेलू उत्पादकों को व्यापार के लिए प्रतिस्पर्धी कंपनियों से कम अवसर मिलेंगे।

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की चीन यात्रा के दौरान पेइचिंग में दोनों देशों के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू की शर्तों के मुताबिक चीनी कंपनियां भारत में बिजली उपकरण सेवा केंद्र स्थापित कर सकती हैं। इसके लिए चीन के राष्ट्रीय ऊर्जा विभाग और भारत के ऊर्जा विभाग के बीच एक समझौता हुआ है। ऐसे सेवा केंद्रों में भारतीय कंपनियों की पहुंच कलपुर्जों और बिक्री पश्चात मिलने वाली सेवाओं तक होगी, जिन उपकरणों का आयात चीन से किया गया हो।

इलेक्ट्रिकल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन (आईईईएमए) के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का स्वागत करते हैं, लेकिन चीन की कंपनियों के साथ प्रतिस्पर्धा के लिए समान अवसर मिलना चाहिए।चीन की सरकार वहां कंपनियों को सस्ते कर्जों के साथ कई तरह की रियायतें देती हैं, जिससे उत्पाद की कीमत काफी कम रहती है। यही वजह है कि भारतीय कंपनियों को आगे बढ़ने के कम मौके मिलेंगे।

Business Standard
25/10/13